

औपचारिक और आधिकारिक रूप से सर्वसाधारण तक पहुँचाने का कार्य, प्रकाशन प्रचार और प्रवर्तन का कार्य।

प्रगंड पुं. (तत्.) बाँह या कोहनी से कंधे तक का भाग, भुजा, बाजू।

प्रगंडिका स्त्री. (तत्.) कोहनी से कंधे तक की अस्थि, जो कंधे से ही जुड़ी होती है।

प्रगट वि. (तद्.) 1. प्रकट, जो सबके सामने हो 2. सामने आया हुआ, जाहिर 3. आविर्भूत 4. स्पष्ट, साफ 5. प्रतीयमान 6. प्रत्यक्ष 7. बेपरदा, खुला हुआ, दृश्यमान।

प्रगत वि. (तत्.) [प्र+गत] 1. जो चला गया हो, आगे बढ़ा हुआ 2. जो चल पड़ा हो 3. अलग-थलग, पृथक्।

प्रगति स्त्री. (तत्.) [प्र+गति] 1. आगे की ओर गति, आगे बढ़ना 2. उन्नति 3. अग्रसर होना, तरक्की।

प्रगतिकाव्य पुं. (तत्.) गीतिकाव्य कविता के रूप में प्रगति वर्णन।

प्रगतिरोध पुं. (तत्.) 1. आगे न बढ़ने की स्थिति, ठहराव 2. विकास अवरुद्ध हो जाना 3. एक ही स्थान पर लगातार रहना 4. प्रगति का अभाव।

प्रगतिवाद पुं. (तत्.) 1. साहित्य में सामाजिक यथार्थवाद पर बल देने वाली और मार्क्सवाद के सिद्धांत से बँधी भौतिकवादी विचारधारा 2. वह सिद्धांत जिसके अनुसार समाज को बराबर आगे बढ़ाते रहना ही हितकर माना जाता है।

प्रगतिवादी वि. (तत्.) 1. प्रगतिवाद संबंधी, प्रगतिवाद का 2. प्रगतिवाद का अनुयायी/समर्थक व्यक्ति, संस्था, रचना आदि 3. प्रगतिशील विचारों वाला।

प्रगतिविवरण पुं. (तत्.) काम की प्रगति दर्शाने वाला विवरण, वर्धमान।

प्रगतिशील वि. (तत्.) 1. वर्धमान, आगे की ओर बढ़ने वाला 2. उन्नतिशील 3. सामाजिक सुधारवादी, तरक्की के काम में संलग्न।

प्रगल्भ पुं. (तत्.) 1. साहसी, उत्साही 2. निपुण 3. बोलने में चतुर प्रत्युत्पन्नमति वाला 4. हाजिर जवाब 5. होशियार, प्रतिभाशाली 6. निर्भय, निडर 7. उद्धत, उद्दंड 8. निर्लज्ज वाचाल, बातूनी 9. बोलने में संकोचनहीन 10. अभिमानी।

प्रगल्भता स्त्री. (तत्.) 1. साहस, उत्साह 2. वाक्चातुरी, बोलने में निपुणता 3. प्रत्युत्पन्न मति, हाजिर जवाबी 4. बातूनीपन, वाचालता 5. धृष्टता, ढिंढाई, 6. प्रौढ़ता 7. पुष्टता 8. निडरता, निर्भयता।

प्रगल्भा वि.स्त्री. (तत्.) 1. प्रगल्भ स्त्री, साहसी स्त्री 2. कर्कशा, झगड़ालू 3. उद्धत या प्रौढ़ महिला 4. शालीनता संपन्न स्त्री (काक.) प्रौढ़नायिका।

प्रगाढ़ वि. (तत्.) 1. बहुत गाढ़ा 2. बहुत घना 3. बहुत गहरा 4. अधिक, अत्यंत, बहुत 5. दृढ़, मजबूत।

प्रगामी वि. (तत्.) 1. क्रमशः बढ़ता हुआ, चरणबद्ध रूप से आगे जाता हुआ 2. वृद्धि प्राप्त करने वाला 3. प्रस्थान करने वाला।

प्रगीत पुं. (तत्.) 1. गीत, गीतिकाव्य, गाना 2. ऐसी कविता जिसे गीत की तरह संगीतात्मक रूप से प्रस्तुत किया जा सके, जिसमें कवि की भावानुभूति व्यक्त हो और सामान्य तथा एक ही भाव या विचार का चित्रण हो वि. गाया हुआ।

प्रगीतात्मक गाथागीत पुं. (तत्.) कथात्मक गीत।

प्रगीति स्त्री. (तत्.) दे. 1. गीत 2. गीतिकाव्य 3. एक प्रकार का छंद।

प्रगुण वि. (तत्.) [प्र+गुण] 1. सीधा 2. ईमानदार 3. खरा 3. उत्तम गुणों वाला 4. सुरक्षासंपन्न 5. योग्य, उपयुक्त, प्रवीण, कुशल, चतुर 6. थामा हुआ, संभाला हुआ।

प्रगृहीत वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह से ग्रहण किया हुआ 2. प्राप्त या स्वीकृत 3. हासिल किया हुआ।

प्रगृह्य वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह से ग्रहण करने योग्य 2. (संस्कृत भाषा में) वह पद जिसपर